ST. MONTFORT SCHOOL

A SEMINAR FOR MOTHERS OF TEENAGE GIRLS

Adolescence is a new birth, for the higher, wherein new and more complete human traits are born.

G. Stanley Hall

Every stage of development is important in an individual's life. Adolescence is the age between 13- 18 years. It is the most crucial age when children complete their childhood and enter in early adulthood. Children undergo a lot of physical, social and emotional changes during this time. This period is characterized by Identity crisis, mood swings, peer pressure, over sensitivity, conflicting thoughts and feeling conscious about self. Psychologist call it the age to be handled with care. Family members, especially mothers, can help the child in smooth transition from childhood to adulthood. Mothers should understand these changes and build a strong bond with child so that child can turn into positive productive individual.

Keeping the above premise in mind, a joint session was organised for the girl students and their mothers of class VI, VII and VIII on 23 July 2022.

The session started with a soulful prayer by the school choir.

Mrs. Bini S. Mathew welcomed all the guests and initiated the session with giving enough food for thought for the mothers to think positively about the physical and emotional changes a teenager undergoes during these years.

Ms. Nikita Dubey gave a brief introduction about the various challenges faced by the teenagers .

Dr. Sr. Betty, B.Sc, M.B.B.S, M.C.H, spoke at length about issues related to child care, dietary patterns, nutrition, exercising, hygiene and the physical adaptations that one must be aware of along with the special mother-child bonding that must be fostered in these special years of a child's life. She elucidated the factors related to the social, psychological aspects and emotional needs of the child.

Detailed descriptions and an apt presentation by Dr. Betty, made the session interesting and easily comprehensible. The attendance of mothers in large numbers showed that the parents too are concerned and aware of their child's needs.

The session ended with an interactive session and the parents thanked the resource person and teachers for making the understanding of an important and difficult topic easy and acceptable to all. Mrs. Vaneja Kishore extended the Vote of thanks which was followed by the National Anthem.

Dr. Ani Thankachan

किशोर लड़कियों की माताओं के लिए एक संगोष्ठी

किशोरावस्था उच्च के लिए एक नया जन्म है, जिसमें नये और अधिक पूर्ण मानवीय लक्षण पैदा होते है।

व्यक्ति के जीवन में विकास का प्रत्येक चरण महत्वपूर्ण होता है। किशोरावस्था 13 से 18 वर्ष के बीच की आयु है यह सबसे महत्वपूर्ण उम्र है जब बच्चे अपना बचपन पूरा करते है और शुरूआती वयस्कता में प्रवेश करते है इस दौरान बच्चों में कई तरह के शारीरिक , सामाजिक और भावनात्मक बदलाव होते है। इस संकट के समय में साथियों के दबाव अतिसंवेदशीलता परस्पर विरोधी विचारों और स्वयं के बारे में जागरूक होने की आवश्यकता है। मनोवैज्ञानिक इसे देखभाल के साथ संभालने की उम्र कहते है। परिवार के सदस्य विशेषरूप से मातायें बच्चे को बचपन से वयस्कता में सुचारू रूप से बदलने में मदद कर सकती है। माताओं को इन परिवर्तनों को समझना चाहिए और बच्चे के साथ एक मजबूत बंधन बनाना चाहिए ताकि बच्चा सकारात्मक बन सके।

उक्त आधार को ध्यान में रखते हुए 23 जुलाई 2022 को सेंट मोंटफोर्ट विद्यालय भोपाल में 6, 7, एवं 8 कक्षा की छात्राओं और उनकी माताओं के लिए एक संयुक्त सत्र का आयोजन किया गया।

भावपुर्ण प्रार्थना के साथ सत्र की शुरूआत हुई जिसमें श्रीमती बिनी एस. मैथ्यू ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। और माताओं को शारीरिक एवं भावनात्मक रूप से सोचने के लिए पर्याप्त भोजन देने के साथ सत्र की शुरूवात की।

सुश्री निकिता दूबे ने उनके सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों का सक्षिप्त परिचय दिया।

कार्यक्रम की मुख्यअतिथि डॉ. सिस्टर बैट्टी बी. एस. सी. , एम. बी. बी. एस., एम. सी. एच. ने बाल देखभाल से संबधित मुद्दो के बारे में विस्तार से चर्चा की।

आहार व्यवस्था, पोषण , व्यायाम , स्वच्छता ,शरीर की अनुकूलता के साथ अवश्य करने चाहिए। विशेष रूप से माँ – बच्चे के सबंध के बारे में जागरूक रहे इस बात को बढ़ावा देना चाहिए एवं बच्चे के सामाजिक मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक पहलुओं से संबंधित कारकों को स्पष्ट किया। विस्तार से डॉ. बैट्टी द्वारा एक उपयुक्त प्रस्तुति ने सत्र को रोचक और आसानी से समझने योग्य बना दिया ।

बड़ी संख्या में माताओं की उपस्थिति से पता चला की मातायें भी चिंतित है और अपने बच्चे की जरूरतों को समझते है।

सत्र एक संवादात्मकता के साथ समाप्त हुआ और माताओं ने संसाधन व्यक्ति और शिक्षकों को एक महत्वपूर्ण और कठिन विषय की समझ को आसान और सभी के लिए स्वीकार्य बनाने के लिए धन्यवाद दिया। श्रीमती वनेजा किशोर ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

श्रीमती रेखा श्रीवास्तव